सवाल
कैसे चलेगा
धरती पर हल ?
जब मिलेगा जालौर, बाड़मेर, सिरोही, को माही का जल

!!श्री करणी कृपा !!
सिंध में बण संवली, कबुएक दंभी कूप। भक्तो कारण करणी धरे अनेकों रुप।।

राजस्थान किसान संघर्ष समिति (रजि.)

पंजीकृत कार्यालय- श्री करणी धाम पंचदेवल,नरपुरा (जालोर)

जालौर, बाड़मेर, सिरोही
क्षेत्र के लिए हमारे
हक का माही बेसिन जल
(कडाणा बांध गुजरात से)
पेयजल एवं सिंचाई हेतु
दिया जाए
विशेष परिशिष्ट

खुशहाली व तरक्की के लिए माही का पानी जरुरी

राजस्थान का पश्चिमी हिस्सा सदियों से कम वर्षा की वजह से विकट परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहा है। कम वर्षा से नदियां सुख गयी है,कुओं का भू-जल स्तर रसातल में पहुँच गया है। जनता रोजगार के लिए पलायन कर रही है। पेड़-पौधें, जीव-जंतु,आम जनता पानी के लिए मोहताज है।

राजस्थान व गुजरात सरकार के 1966 के समझौते का माही परियोजना प्रोजेक्ट आज भी कागजों में रेंग रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत कडाणा बांध से हाई लेवल कैनाल का निर्माण करके 28 टीएमसी (04 जवाई बांध बराबर) जालोर,सिरोही,बाड़मेर को सिंचाई एवं पेयजल हेतु दिया जाना था मगर गुजरात सरकार ने 337 किमी. लम्बी सुजलाम-सुफलाम नहर बनाकर अपने राज्य के किसानों को तो खुशहाल कर दिया साथ ही राजस्थान के हिस्से के पानी से स्वयं के हिस्सों को सिंचित कर रहा है जो नियम एवं शर्तो का उल्लंघन है।

इस मनमर्जी के खिलाफ सरकारी स्तर के साथ-साथ बड़े स्तर पर आम जनता को भी राजनीतिक प्रयास करने की जरुरत है।

हम सब आमजन एकजुट होकर अगर इस भागीरथी प्रयास को लेकर सहयोग करेंगे,आंदोलन की आवाज को किसी भी माध्यम से बुलंद करके सत्ता में बैठे नेताओं तक पहुँचायेंगे तो निश्चित तौर पर माही का पानी आएगा,खेत भी लहलायेगे, रोजगार आएगा व हर वर्ग को इसका लाभ मिलेगा। किसान व आमजन की समृद्वि से बाजार भी मजबूत होंगे व तरक्की के दरवाजे खुलेंगे।

कलम से
विक्रम सिंह पुनासा प्रदेश संयोजक

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री **बजट घोषणा वर्ष 2023-24** में बिंदु संख्या 173(x) में पश्चिमी राजस्थान (जालोर-बाड़मेर-सिरोही) के लिए माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेतु सर्वे एवं डी.पी.आर. हेतु घोषणा की। इस पर माननीय मुखयमंत्री महोदय का आभार व्यक्त कर इस पर शीघ्र कार्यवाही के लिए राजस्थान किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी ज्ञापन सौंपते हुए...

समस्त किसान,मजदूर व आमजनता से अनुरोध है कि माही बेसिन जल को लेकर चल रहे आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाए ताकि हम अपने खेत,अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित कर सके। साथियो राजस्थान व गुजरात के बीच 10 जनवरी 1966 के समझौते के बाद कडाना बांध का निर्माण 1968 में शुरु हुआ और 1979 मैं निर्मित हुआ । समझौते के मुताबिक गुजरात के खेड़ा जिले में नर्मदा का पानी पहुंचते ही कडाणा बांध से जालोर बाड़मेर को बांध का 2 /3 हिस्सा पानी दिया जाना था । वर्ष 2005 में खेड़ा जिले में नर्मदा का पानी आ गया उसके बाद माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी को इस मामले से अवगत करवाया तथा राजस्थान सरकार ने भी कई बार गुजरात सरकार से इस मामले को लेकर पत्र व्यवहार किए लेकिन कोई सकारात्मक जबाब नही मिला और साथ ही राजस्थान सरकार की बिना सहमति के "सुजलाम-सुफलाम" नहर बना दी । कडाना बांध से औसत 17 जवाई बांध (125 टीमसी) पानी समुंदर में प्रतिवर्ष जा रहा है लेकिन हमारे नेता विधानसभाओं में चर्चा करते रहे एवं स्थानीय नेताओं ने इस मामले में चुप्पी ले रखी है। जालोर, बाड़मेर व सिरोही के किसानों ने इसको लेकर मांग उठाई व माही के पानी को लाने के उद्देश्य से राजस्थान किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने इस मामले को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री महोदय से कई मर्तबा मिले। राज्य सरकार से लेकर सांसद व विधायक तक ज्ञापन दिए । हाल ही में इसको लेकर माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री बजट घोषणा की पालना में इसकी डीपीआर बनाने की कार्यवाही शुरु कर दी है जो आंदोलन की एक दूसरी बड़ी जीत है। पूर्व मे केंद्र व राज्य में भाजपा सरकार होने के बावजूद नहर नही ला पाए मात्र चुनावी घोषणा पत्र में लेकर मामले को हवाहवाई कर चुके।हमारा क्षेत्र के किसानों,मजदूरों व आमजन से अपील है कि इसमें सहयोग करें। जब तक पानी नही मिलेगा तब तक RKSS की जंग जारी रहेगी।

कलम से- केशर सिंह राठौड़
सह संयोजक,राजस्थान किसान संघर्ष समिति

जालोर, बाड़मेर, सिरोही क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई हेतु माही जल उपलब्ध करवाने को लेकर

महान गांधीवादी नेता,भारत रत्न एवं स्वतंत्रता सेनानी आचार्य विनोबा भावे जी की जयंती से..

माही जलक्रांति यात्रा

11 सितंबर 2023 से 29 सितम्बर 2023 तक

1100+ किलोमीटर
400+ गांव
300+ जनसभाएं
20+ दिन

दिनांक- 11 सितम्बर 2023
श्री करणी धाम, नरपुरा
प्रस्थान- सुबह 10:00 बजे
11:15 बजे - नून
12:15 बजे - सांथू
01:00 बजे - बागरा
01:30 बजे - आकोली
02:00 बजे - सियाणा
03:00 बजे - रायपुरिया
03:50 बजे - वराड़ा
04:30 बजे - बरलूट
05:00 बजे - जावाल
06:00 बजे - सिरोही
(रात्रि विश्राम)

दिनांक 12 सिंतबर 2023
10:00 बजे - जिला मुख्यालय
11:30 बजे - रामपुरा
12:00 बजे - अणगौर
01:00 बजे - डोडूआ
01:30 बजे - कालन्द्री
02:00 बजे - मोहब्बतनगर
02:30 बजे - पुनग कला
03:00 बजे - झाक
03:20 बजे - माण्डोली
04:00 बजे- बिबलसर
04:30 बजे - देलदरी
05:00 बजे - रामसीन
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 13 सिंतबर 2023
10:00 बजे - सिकवाड़ा
10:30 बजे - चान्दणा
11:00 बजे - तातोल
12:00 बजे - बूगांव
12:30 बजे - गोलाणा
01:00 बजे - जसवन्तपुरा
01.30 बजे - चेकला
02:00 बजे - डोरड़ा
02:30 बजे - पावली
03:00 बजे - मुन्थला काबा
03:30 बजे - देलवाड़ा
04:00 बजे - भरूड़ी
05:00 बजे - तवाव
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 14 सिंतबर 2023
10:00 बजे - थुर चौराहा
10:30 बजे - मुडतरा सिली
11:00 बजे - सोमता
11:30 बजे -जोड़वाड़ा
12:00 बजे - लूर
12:30 बजे - बासड़ा धनजी
01:00 बजे- मोदरां
01:30 बजे - सेरणा
02:00 बजे - धानसा
02:30 बजे - थलवाड़
04:00 बजे - पांथेड़ी
04:30 बजे - पोषाणा
05:00 बजे - सियावट
06:00 बजे - भूण्डवा
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 15 सिंतबर 2023
10:00 बजे - तालियाना
11:00 बजे - जीवाणा
11:30 बजे - सांगाणा
12:00 बजे - आलवाड़ा
12:30 बजे - दूदवा
1:30 बजे - मेगलवा
2:00 बजे - बावतरा
2:30 बजे - चौराऊ
3:00 बजे - वालेरा
05:00 बजे - सायला
05:30 बजे - विराणा
6:00 बजे - रेवतड़ा
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 16 सिंतबर 2023
10:00 बजे - आलासन
10:30 बजे - केशवना
11:00 बजे - सांफाड़ा
11:30 बजे - तीखी
12:00 बजे- बिशनगढ़
12:30 बजे - माण्ड्वला
01:00 बजे - ऐलाना
01:30 बजे - गोल (उम्मेदाबाद)
02:00 बजे - खरल
02:30 बजे - ओटवाला
04:30 बजे - पूनावास
05:00 बजे - सुराणा
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 17 सिंतबर 2023
10:00 बजे - तिलोड़ा
10:30 बजे - दादाल
11:00 बजे - बागोड़ा
12:00 बजे - चेनपुरा
12:30 बजे - बगोटी
01:00 बजे- नवापुरा
02:00 बजे - राऊता
02:30 बजे- मौरसीम
03:00 बजे - भालणी
04:00 बजे- लाखणी
05:00 बजे - गांवडी
05 : 30 बजे - धुम्बड़िया
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 18 सिंतबर 2023
10:00 बजे - नरसाणा
10:30 बजे - डूगंरवा
11:00 बजे - मेड़ा
12:00 बजे - कुका
12:30 बजे - वाड़ा भाड़वी
01:00 बजे - थोबाऊ
01:30 बजे - जोगाऊ
02:30 बजे - सारियाणा
03:00 बजे - जैलातरा
03:30 बजे - फागोतरा
04:00 बजे- पूनासा
05:00 बजे - दांतिवास
(रात्रि विश्राम)

दिनांक- 19 सिंतबर 2023
10:00 बजे - कोड़का
10:30 बजे - सामरानी
11:00 बजे - करड़ा
11:30 बजे - खारा
12:00 बजे - वोढा
01:00 बजे - अरणाय
01:30 बजे- धानता
02:00 बजे - पूर
02:30 बजे - दाता
03:30 बजे - सरनाऊ
04:00 बजे - सांकड़
04:30 बजे - गुन्दाऊ
05:00 बजे - सेवाड़ा
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 20 सिंतबर 2023
10:00 बजे - कुड़ा
11:00 बजे - हरसवाड़ा
12:00 बजे - गोंग
12:30 बजे - रानीवाड़ा
01:00 बजे - सिलासन
01.30 बजे - बरेठा
02:00 बजे - आलड़ी
02:30 बजे - रोपसी
03:30 बजे - वणदर
04:00 बजे - चाटवाड़ा
05:00 बजे - भीनमाल
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 21 सिंतबर 2023
10:00 बजे - खानपुर
11:00 बजे - कोटकास्ता
12:00 बजे - लेदरमेर
12:30 बजे - बोरटा
01:00 बजे - पादरा
01.30 बजे - दासपा
02:00 बजे - कोरा
02:30 बजे - विशाला
03:00 बजे - कोमता
03:30 बजे - लुणावास
04:00 बजे - मिण्डावास
05.00 बजे - कालेटी
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 22 सिंतबर 2023
10:00 बजे - दांमण
11:00 बजे - राह
12:00 बजे - जैरण
01:00 बजे - सेवड़ी
01:30 बजे - जुंजाणी
03:00 बजे - निम्बावास
03:30 बजे - नोहरा
04:00 बजे - किरवाला
06.00 बजे - कानीवाडा
हनुमान जी मंदिर
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 23 सिंतबर 2023
10:00 बजे - छिपरवाड़ा
11:00 बजे - थांवला
12:00 बजे - हरजी
12:30 बजे - उम्मेदपुर
01.00 बजे - वेदाणा
01:30 बजे - गुड़ा बालोतान
02.30 बजे - गंगावास
03:00 बजे - दयालपुरा
03:30 बजे - चरली
04:00 बजे - सनवाड़ा
05:30 बजे - आहोर
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 24 सिंतबर 2023
10:00 बजे - काम्बा
11:00 बजे - जोगणी
12:00 बजे - भाद्राजून
12:30 बजे - नोरवा
01:00 बजे - शंखवाली
01.30 बजे - चांदराई
02:00 बजे - भूती
02:30 बजे - कंवला
03:00 बजे - रोडला
03:30 बजे - बिठुड़ा
04:00 बजे - भैंसवाड़ा
05.00 बजे - गोदन
05.30 बजे- सांकरणा
06.00 बजे - लेटा
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 25 सिंतबर 2023
10:00 बजे - धवला
11:00 बजे - नारणावास
12:00 बजे - बागरा
12:30 बजे - धानपुर
01:00 बजे - भागली
01.30 बजे - रेवत
02:00 बजे - कलापुरा
02:30 बजे - डकातरा
03:00 बजे - बैरठ
03:30 बजे - बाकरा
04:00 बजे - बाकरा रोड़
05.00 बजे - सरत
05.30 बजे- मडगांव
06.00 बजे - जालोर
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 26 सिंतबर 2023
10:00 बजे - जालोर शहर
11:00 बजे - काठाड़ी
12:00 बजे - रमणिया
12:30 बजे - धीरा
01:00 बजे - मांगी
01.30 बजे - जीनपुर
02:00 बजे - सैला
02:30 बजे - कुण्डल
03:00 बजे - रैलों की ढाणी
03:30 बजे - कांरवी
04:00 बजे - पादरु
05.30 बजे- धनवा
06.00 बजे - मीठा
(रात्रि विश्राम पादरु रामदवजी यात्री भवन)

दिनांक - 27 सिंतबर 2023
10:00 बजे - खेड़ा
11:00 बजे - हेमा की ढाणी
12:00 बजे - चांडो की ढाणी
12:30 बजे - सिंणधरी शहर
01:00 बजे - कमठाई
01.30 बजे - डंडाली
02:00 बजे - करणा
02:30 बजे - भुंखा
03:00 बजे - लोहिड़ा
03:30 बजे - दांखा
04.00 बजे - मिठौड़ा
05.00 बजे- धारणा
06.00 बजे - सिनेर
(रात्रि विश्राम)

दिनांक - 28 सिंतबर 2023
10:00 बजे - इंद्राणा
10:30 बजे - मोठली
11:00 बजे - थांपण
12:00 बजे - कुसीप
01:00 बजे - मेली
01.30 बजे - देवड़ा
02:00 बजे - फूलण
02.30 बजे - करमावास
03:00 बजे - समदड़ी
03.30 बजे - राणी देशीपुरा
04.00 बजे -भानावास
04.30 बजे - भलरो का वाड़ा
05.00 बजे - अजीत
05.30 बजे - महेशनगर
(रात्रि विश्राम समदड़ी)

दिनांक - 29 सिंतबर 2023
09:00 बजे - रामपुरा
10:00 बजे - ढ़ीढस
10:30 बजे - मजल
11:00 बजे - अम्बो का वाड़ा
11:30 बजे - कोटड़ी
12.00 बजे - कमो का वाड़ा
12:30 बजे - अर्थण्डी
01:00 बजे - खण्डप
01:30 बजे - नीलकण्ठ
02:00 बजे - सरवड़ी
03.00 बजे - राखी
03.30 बजे- लूदराड़ा
04.00 बजे - माहिलावास
04.30 बजे - मवड़ी
05.00 बजे - सिवाना (समापन)

इस अभियान से जुड़ने एवं यात्रा की जानकारी के लिए
98872-08801
www.mahaijalkranti.com
/mahijalkranti

श्री करणी धाम नरपुरा में राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तिका विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित मंचासीन संत महात्मा

सिरोही विधायक महोदय संयम लोढ़ा से मुलाकात कर WRCP से पश्चिमी राजस्थान के जालौर,बाड़मेर,सिरोही को सिंचाई का पानी देने के बारे में अवगत करवाकर मुद्दे को उठाने का अनुरोध किया।

Print By:- Mind Mafia Jaipur @98872028801

माननीय महेन्द्रजीतसिंह मालवीया जल संसाधन मंत्री महोदय को माननीय सुखरामजी विश्नोई मंत्री महोदय के साथ माही नदी के ओवरफ्लो पानी को जालोर - बाड़मेर-सिरोही के लिए उपलब्ध करवाने हेतु ज्ञापन देते हुए विक्रमसिंह पुनासा, बद्रीदान नरपुरा, केशरसिंह सिवाणा, जयवीर गोदारा एवं हीराराम चौधरी जैलातरा

माननीय पुखराज पाराशर अध्यक्ष जन अभाव अभियोग निराकरण समिति, राजस्थान सरकार से माही बेसिन जल को उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए विक्रमसिंह पुनासा एवं बद्रीदान नरपुरा

R.T. I. के तहत प्राप्त सबूतों के आधार पर सारगर्भित तथ्य

राजस्थान व गुजरात सरकार के बीच माही नदी जल बँटवारा समझौता दिनांक 10.01.1966 के तहत जालोर व बाडमेर क्षैत्र में पेयजल एवं सिंचाई हेतु अपने हक का पानी उपलब्ध करवाने के मामले में राजस्थान सरकार, गुजरात सरकार, केन्द्र सरकार आदि के विभागों/कार्यालयों से पानी के मामले को लेकर गत 4 वर्षों में 121 बार R. T. I. लगाकर लगभग 1795 पृष्ठो में सबूत प्राप्त किये जिसके आधार पर सारगर्भित तथ्य एवं संबंधित कार्यवाही का संक्षिप्त विवरण निम्न

01. माही नदी के जल को लेकर राजस्थान सरकार व गुजरात सरकार के बीच माही जल बँटवारा समझौता दिनांक 10.01.1966 के तहत राजस्थान में माही बांध व राजस्थान व गुजरात की सीमा पर गुजरात में कडाणा बांध का निर्माण हुआ।

02. कडाणा बांध के निर्माण के तहत बांध के डूब क्षैत्र में 132 गांव बांसवाडा व डूंगरपुर (राजस्थान) के और 53 गांव गुजरात के प्रभावित हुए तथा उन गांवों के परिवारों को अन्यत्र बसाया गया।

03. खोसला कमेटी की रिपोर्ट एवं माही जल बँटवारा समझौता 10.01.1966 तथा आर.टी.आई. से प्राप्त दस्तावेजों से स्पष्ट होता है कि कडाणा बांध के माही जल से गुजरात के खेड़ा जिले का सिंचित होने वाला क्षैत्र जब नर्मदा जल से सिंचित होने लगेगा तब कडाणा बांध के जल का एक भाग राजस्थान में बांध के भराव क्षैत्र के अनुसार 2/3 हिस्से का 28 टी. एम. सी. पानी (करीबन 4 जवाई बांध के बराबर) कडाणा बांध से 320 किलोमीटर हाईलेवल कैनाल गुजरात की सीमा में से गुजरात द्वारा पश्चिमी राजस्थान के सूखा प्रभावित क्षैत्र जालोर एवं बाड़मेर को पेयजल एवं सिंचाई हेतु दिया जायेगा तथा राजस्थान के हिस्से में आने वाले पानी की मात्रा के अनुसार राजस्थान सरकार गुजरात को बांध निर्माण की लागत का पुनर्भुगतान करेगी। इसी तरह बांसवाड़ा के माही बांध में गुजरात हेतु 40 टी. एम. सी. पानी (लगभग 5 जवाई बांध भरे जाने से भी ज्यादा) आरक्षित रखा जायेगा तथा जब कडाणा बांध से खेड़ा जिला माही जल की जगह नर्मदा जल से सिंचित होने लगेगा तब गुजरात माही बांध में अपने लिए आरक्षित रखे जाने वाले 40 टी.एम.सी. (लगभग 5 जवाई बांध भरे जाने से भी ज्यादा) पानी पर से राजस्थान के लिए अपना हक त्याग देगा तथा माही बांध निर्माण में गुजरात द्वारा वहन की गई राशि का पुनर्भुगतान राजस्थान द्वारा गुजरात को किया जायेगा।

04. दिनांक 10-01-1966 माही जल बँटवारा समझौते की पालना में वर्ष 1979 में कडाणा बांध केनिर्माण के बाद हाईलेवल कैनाल निर्माण हेतु राजस्थान सरकार ने गुजरात सरकार से पत्राचार / बैठकें आयोजित कर वार्ता की मगर गुजरात सरकार ने यह कह कर हाईलेवल कैनाल निर्माण करने से मना कर दिया कि कैनाल निर्माण में गुजरात के कास्तकारों की बड़ी मात्रा में बेशकिमती जमीन कैनाल के नीचे जाने के कारण काश्तकारान आन्दोलन पर उतारु हैं। गुजरात सरकार द्वारा समझौते की पालना से मुकरने पर राजस्थान सरकार ने राजस्थान की सीमा में से ही डूंगरपुर जिले के टीमूरवा गांव(माही नदी) से जालोर में भीनमाल तहसील के बिसाला गांव तक 259 कि.मी. लम्बी सुरंग / नहर से उक्त पानी जालोर व आगे बाड़मेर के लिये पेयजल एवं सिंचाई हेतु लाना प्रस्तावित किया जिसमें करीबन 32 लाख बीघा जालोर - बाड़मेर की कृषि भूमि सिंचित होना प्रस्तावित था। सन् 1984 में एक वृत की भी स्वीकृति हो गई थी। उक्त योजना की Tentative Cost 3340 करोड़ थी लेकिन सन् 1988 में उक्त योजना रोक दी गई।

05. गुजरात सरकार ने नर्मदा ट्रिब्यूनल के समक्ष सम्पूर्ण गुजरात (खेड़ा जिला सिंचित करने सहित) के लिए 8 MAF नर्मदा जल आवंटन करने हेतु शपथ-पत्र दिया लेकिन नर्मदा ट्रिब्यूनल ने गुजरात सरकार को मांग से अधिक 9 MAF नर्मदा जल आवंटित किया। जबकि वहीं राजस्थान को नर्मदा ट्रिब्यूनल ने मात्र 0.5M.A.F. अर्थात् गुजरात को आवंटित नर्मदा जल का 18 वां भाग जल ही आवंटित किया।

06. गुजरात का खेड़ा जिला नर्मदा जल से वर्ष 2005 से सिंचित होने लगा। समझौते की शर्त के मुताबिक गुजरात राज्य द्वारा हमें हमारे हक का पानी वर्ष 2005 से दिया जाना था जो आज दिन तक नहीं दिया गया है।

07. वर्ष 2006 से गुजरात सरकार ने कडाणा बांध से हमारे हक के पानी को हमें नहीं देकर राजस्थान की बिना सहमति के 337 किलोमीटर लम्बी सुजलाम सुफलाम कच्ची नहर (करीबन 100 फीट चौड़ी a 50 फीट गहरी है) जो गुजरात की सीमा में हाईलेवल कैनाल के समरुप है, बनाई। जिसमें आज दिन तक हमारे हक के पानी का भी उपयोग गुजरात सरकार कर रही है तथा माही बांध के पानी पर भी गुजरात राज्य ने अपना अधिकार नहीं त्यागा है।

08. नर्मदा मुख्य नहर उप समिति की तैंतीसवीं बैठक दिनांक 04.10.2017 को गांधी नगर में आयोजित की गई। जिसमें यह स्पष्ट हो गया है कि खेड़ा जिला नर्मदा जल से पूर्णरूप से विकसित हो गया है।

09. माही बांध के आगे बेणेश्वर धाम के पास माही नदी में सोम व जाखम नदियाँ भी उसके साथ में आकर मिलती हैं और मानसून में माही बेसिन का अथाह पानी (तीनों बांधों के ऑवरफ्लो के कारण) कडाणा बांध के भराव के बाद ऑवरफ्लो होकर 1984 से 2022 तक औसतन प्रतिवर्ष 125 T.M.C. (एक वर्ष में 17 बार जवाई बांध भर जाये) पानी व्यर्थ बहकर समुद्र में चला जाता है।

10. माही जल बँटवारा समझौता 10.01.1966 के पैरा संख्या-1 व 5 की पालना हेतु राजस्थान सरकार गुजरात सरकार को कई बार बैठक आयोजित करने हेतु पत्र व्यवहार किये मगर गुजरात सरकार आज दिन तक ना तो बैठक हेतु तारीख तय की और ना ही पत्रों का जबाव दिया।

11. राजस्थान किसान संघर्ष समिति ने सूखा प्रभावित एवं पानी की गंभीर समस्या से हमेशा ग्रसित जालोर - बाड़मेर के लिये पेजयल व सिचांई हेतु माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने को लेकर माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में RTI के आधार पर रिट (जनहित याचिका) संख्या - 3637/2021 दर्ज करवाई।

12. माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर ने इस रिट पर राजस्थान सरकार व केन्द्र सरकर से जबाव मांगा। राजस्थान सरकार ने अपने जबाव में बताया कि जालोर व बाड़मेर में पानी की गंभीर समस्या है। और यदि इस क्षेत्र में माही और कडाणा बांध का ऑवरफ्लो पानी उपलब्ध करवाया जावे तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आमजन लाभान्वित होंगे।

13. माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर ने बाद सुनवाई के दिनांक 18.11.2022 को राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा जनहित याचिका (रिट) में बताये गये चार सुझावों में से किसी एक सुझाव पर या सरकार अपने स्तर पर अन्य कोई उचित उपाय सोचकर जालोर - बाड़मेर में पेयजल व सिंचाई की सुविधाओं के लिए माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेतु प्लान बनाकर पेश करने हेतु राजस्थान सरकार को निर्देश दिये।

14. राजस्थान सरकार ने माननीय न्यायालय के निर्देश की पालना हेतु आवश्यक जांच व प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाने हेतु दिनांक 10.01.2023 को उच्च अधिकारियो की टीम गठित की।

15. माननीय अशोकजी गहलोत, मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार ने किसानों की मांग एवं किसानों के हितों को देखते हुए मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2023-24 में बिन्दु संख्या - 173 (x) पश्चिमी राजस्थान (जालोर, बाडमेर व सिरोही) के लिये माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेतु सर्वे एवं डी. पी. आर. की घोषणा की।

16. माननीय मुख्यमंत्री महोदय की उक्त बजट घोषणा की पालना में श्रीमान् मुख्य अभियन्ता जल संसाधन सम्भाग, जोधपुर ने अपने पत्र क्रमांक 5138 दिनांक 09.03.2023 के द्वारा श्रीमान् मुख्य अभियन्ता जल संसाधन विभाग, जयपुर को पत्र लिखकर सर्वे एवं डी. पी. आर. समय पर सम्पन्न करने हेतु सक्षम एजेन्सी को विधिवत कार्य देने का निवेदन किया।

17. श्रीमान् मुख्य अभियन्ता राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के पत्र क्रमांक 00033/2023 दिनांक 22.03.2023 (बैठक 21.03.2023) के तहत उक्त बजट घोषणा की पालना में निम्नलिखित बिन्दुओं पर सर्वे करने हेतु एक उप समिति गठित की गई है जो संयुक्त समिति के नेतृत्व में कार्य करेगी।

I - माही बेसिन में उपलब्ध अधिशेष / ओवरफ्लो जल एवं पिछले 30 वर्षों में कुल जल आवक की गणना।

II- माही बेसिन जल को राजस्थान की सीमा में ही डायवर्ट करने हेतु उपयुक्त स्थान का चयन।

III - माही बेसिन जल को लूणी बेसिन में डायवर्ट कर जालोर जिले के प्रस्तावित सिंचित क्षेत्र तक पहुंचाने हेतु उचित मार्ग का चयन।

IV - माही बेसिन के महत्वपूर्ण स्थानों के फील्डलेवल की जांच।

V- माही बेसिन व लूणी बेसिन के गूगल मेप।

18. उपर्युक्तानुसार राजस्थान किसान संघर्ष समिति अपने क्षेत्र में माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेतु कृतसंकल्पित है-

विक्रमसिंह पुनासा
(विक्रमसिंह पुनासा)
प्रदेश संयोजक
राजस्थान किसान संघर्ष समिति

23/4/23
(बद्रीदान नरपुरा)
प्रदेश अध्यक्ष
राजस्थान किसान संघर्ष समिति

माननीय अशोक गहलोत मुख्यमंत्री महोदय का गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री महोदय माननीय नरेंद्र मोदी को कडाणा बांध के जल को लेकर लिखा पत्र

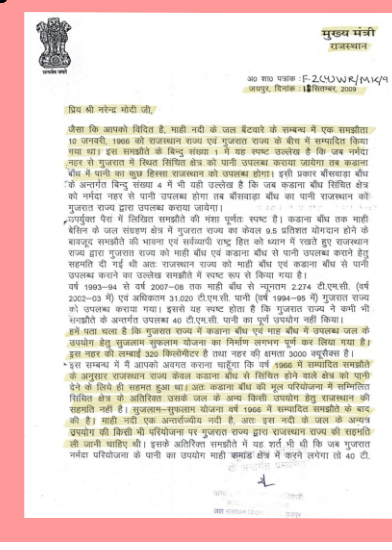

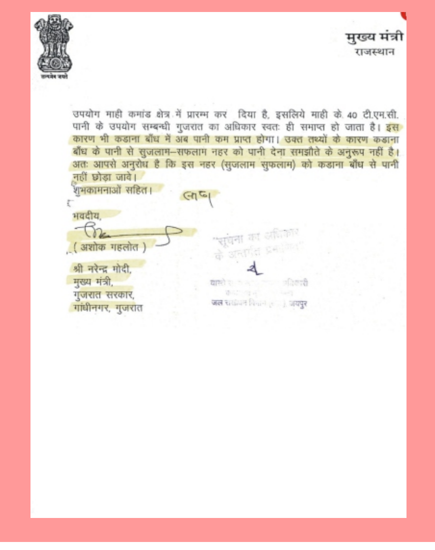

माननीय अशोक गहलोत मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान का माननीय पवन बंसल केंद्रीय जल संसाधन मंत्री महोदय को लिखा पत्र

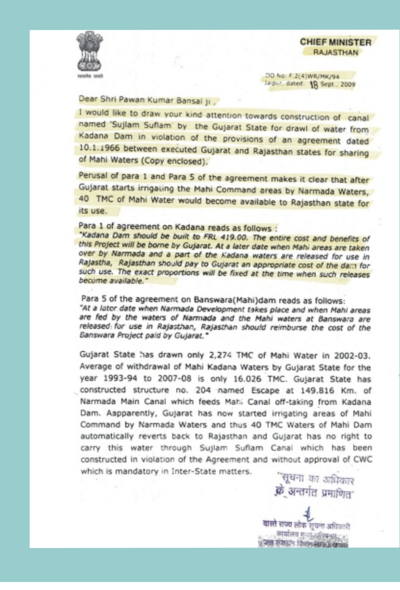

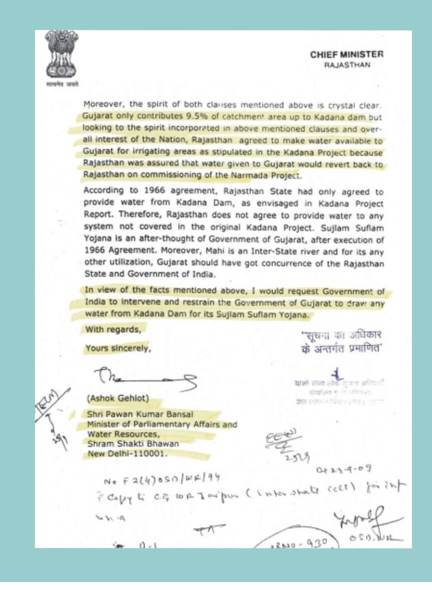

राजस्थान के प्रमुख व मुख्य सचिव महोदय द्वारा गुजरात के प्रमुख व मुख्य सचिव महोदय को माही जल समझोता की पलना हेतु पत्र

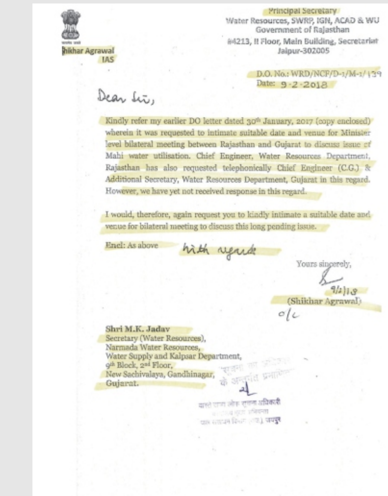

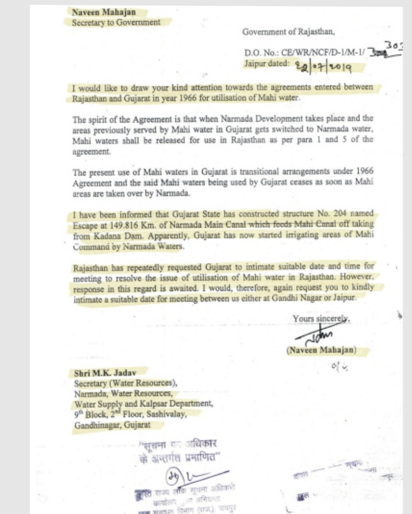

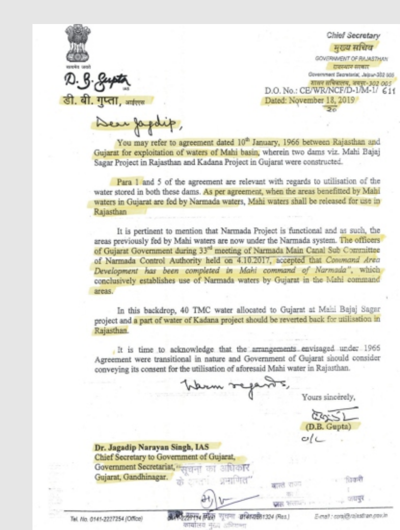

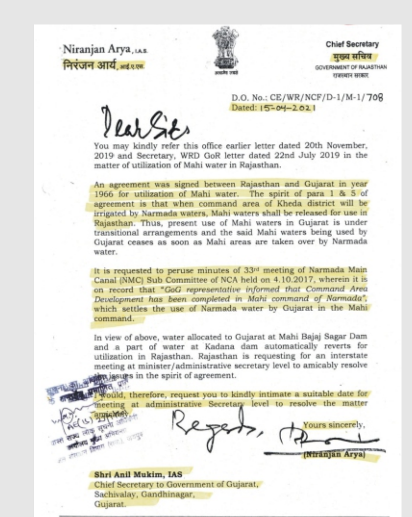

राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री महोदय को ज्ञापन सौपां

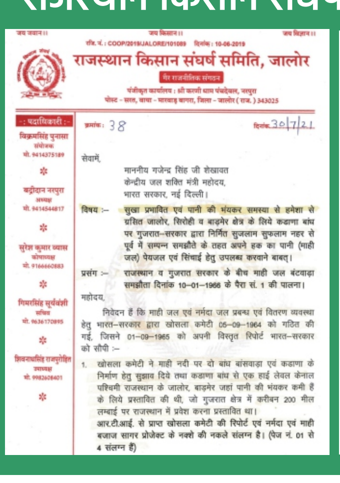

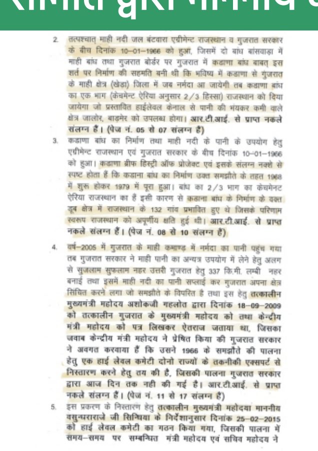

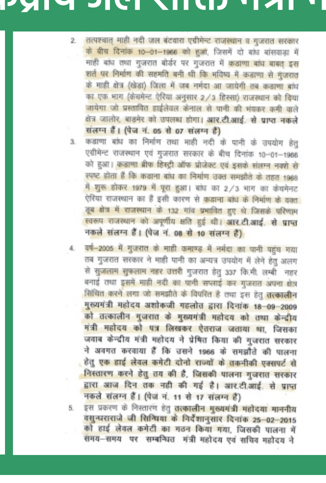

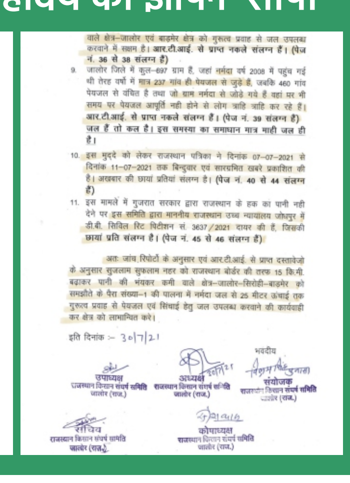

माननीय उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका

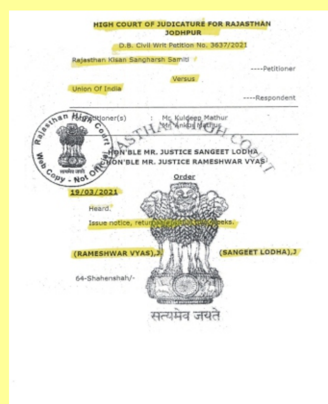

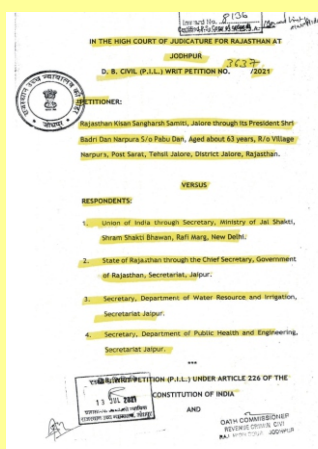

माननीय उच्च न्यायालय,जोधपुर का आदेश

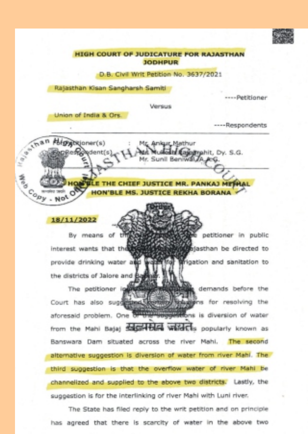

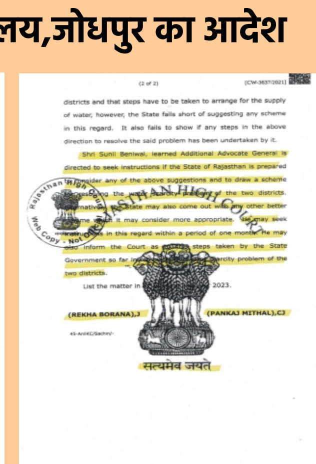

जल शक्ति मंत्रालय,दिल्ली को लिखे पत्र का जवाब

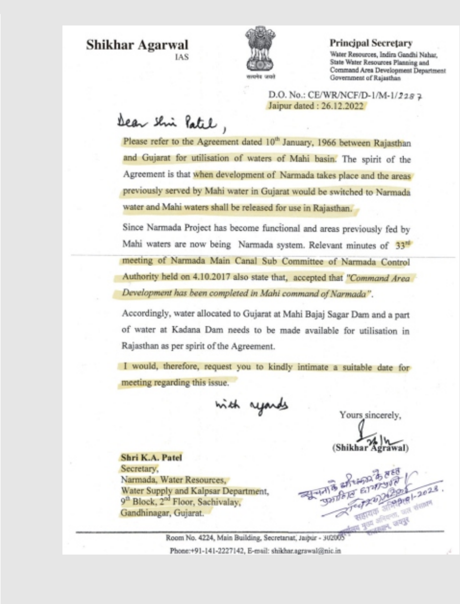

राजस्थान व गुजरात के बीच का समझौता

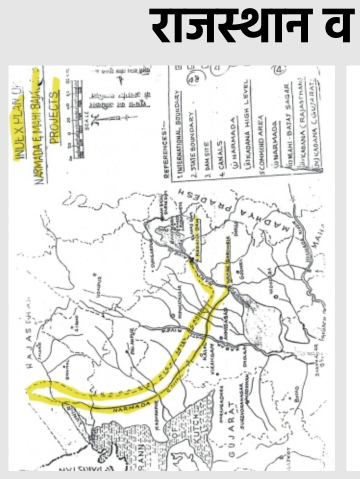

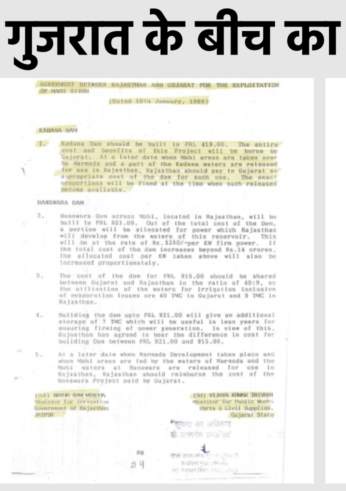

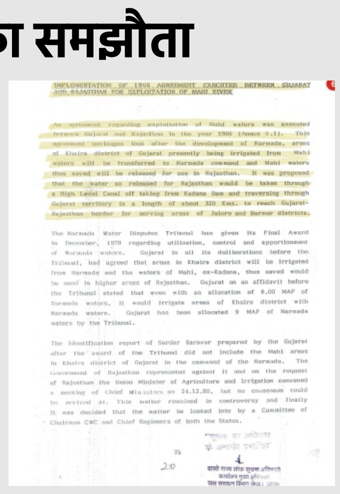

अध्यक्ष बद्रीदान नरपुरा की लगाई RTI का जवाब

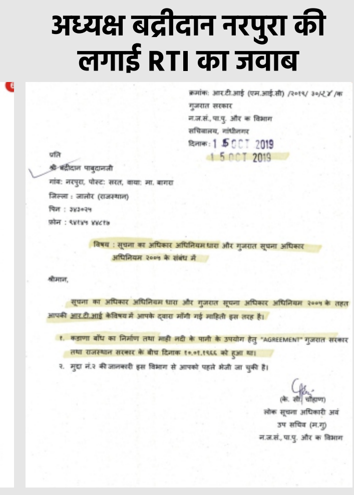

माननीय राजेन्द्रसिंह राठौड़, प्रतिपक्ष नेता राजस्थान विधासभा को आर. टी. आई. से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जालोर - बाड़मेर-सिरोही के लिए माही बेसिन जल (गुजरात के कडाणा बांध का 2 / 3 हिस्सा) का प्रमाणित हक के क्रियान्वित हेतु विस्तृत चर्चा करते हुए राजस्थान किसान संघर्ष समिति, जालोर-बाड़मेर के पदाधिकारी विक्रमसिंह पुनासा, बद्रीदान नरपुरा, केशरसिंह सिवाणा एवं हनुमानसिंह खांगटा।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, **जालोर सिरोही सांसद** देवजी एम.पटेल, **रानीवाड़ा विधायक** नारायण सिंह देवल, **जालोर विधायक** जोगेश्वर गर्ग तथा **आहोर विधायक** छगनसिंह राजपुरोहित के साथ गुजरात के कडाणा बांध का 2/3 हिस्सा पर प्रमाणित हक का पानी पेयजल एवं सिंचाई हेतु उपलब्ध करवाने को लेकर आर.टी.आई. से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर विस्तृत चर्चा करते हुए

माननीय सांसद महोदय राजेन्द्र गहलोत को आर. टी. आई. से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर माही जल (कडाणा बांध) पर जालोर बाड़मेर-सिरोही के प्रमाणित हक को लेकर समझाईश करते हुए राजस्थान किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष बद्रीदान नरपुरा

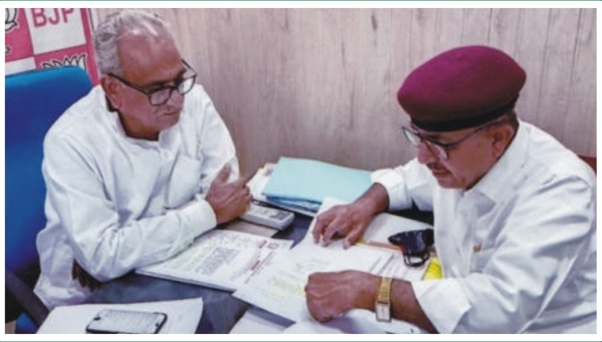

गुजरात के कडाणा बांध से अपने हक का पानी लेने को लेकर जल विवाद प्राधिकरण गठन हेतु राज्य सरकार को लिखा पत्र

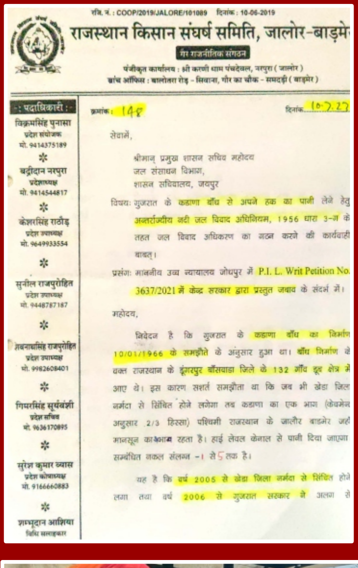

रजि. नं.: COOP/2019/JALORE/101089 दिनांक: 10-06-2019

राजस्थान किसान संघर्ष समिति, जालोर-बाड़मेर

गैर राजनीतिक संगठन

पंजीकृत कार्यालय : श्री करणी धाम पंचदेवल, नरपुरा (जालोर)
ब्रांच ऑफिस : बालोतरा रोड - सिवाना, गौर का चौक - समदड़ी (बाड़मेर)

: पदाधिकारी :
विक्रमसिंह पुनासा, प्रदेश संयोजक, मो. 9414375189
बद्रीदान नरपुरा, प्रदेशाध्यक्ष, मो. 9414544817
केशरसिंह राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष, मो. 9649933554
सुनील राजपुरोहित, प्रदेश उपाध्यक्ष, मो. 9448787187
शिवनाथसिंह राजपुरोहित, प्रदेश उपाध्यक्ष, मो. 9982608401
गिमरसिंह सूर्यवंशी, प्रदेश सचिव, मो. 9636170895
सुरेश कुमार व्यास, प्रदेश कोषाध्यक्ष, मो. 9166660883
शम्भूदान आशिया, विधि सलाहकार

क्रमांक: 148 दिनांक 10.7.23

सेवामें,
श्रीमान् प्रमुख शासन सचिव महोदय
जल संसाधन विभाग,
शासन सचिवालय, जयपुर

विषय: गुजरात के कडाणा बाँध से अपने हक का पानी लेने हेतु अन्तर्राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 धारा 3-ग के तहत जल विवाद अधिकरण का गठन करने की कार्यवाही बाबत्।

प्रसंग: माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में P.I.L. Writ Petition No. 3637/2021 में केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत जवाब के संदर्भ में।

महोदय,

निवेदन है कि गुजरात के कडाणा बाँध का निर्माण 10/01/1966 के समझौते के अनुसार हुआ था। बाँध निर्माण के वक्त राजस्थान के डूंगरपुर बाँसवाडा जिले के 132 गाँव डूब क्षेत्र में आए थे। इस कारण सशर्त समझौता था कि जब भी खेडा जिला नर्मदा से सिंचित होने लगेगा तब कडाणा का एक भाग (केवमेन्ट के अनुसार 2/3 हिस्सा) पश्चिमी राजस्थान के जालोर बाडमेर जहाँ मानसून का अभाव रहता है। हाई लेवल केनाल से पानी दिया जाएगा सम्बंधित नकल संलग्न -1 से 5 तक है।

यह है कि वर्ष 2005 से खेडा जिला नर्मदा से सिंचित होने लगा तथा वर्ष 2006 से गुजरात सरकार ने अलग से

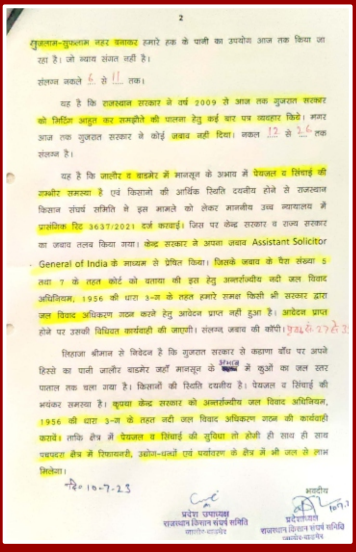

2

सुजलाम-सुफलाम नहर बनाकर हमारे हक के पानी का उपयोग आज तक किया जा रहा है। जो न्याय संगत नहीं है।
संलग्न नकलें 6 से 11 तक।

यह है कि राजस्थान सरकार ने वर्ष 2009 से आज तक गुजरात सरकार को मिटिंग आहुत कर समझौते की पालना हेतु कई बार पत्र व्यवहार किये। मगर आज तक गुजरात सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। नकल 12 से 26 तक संलग्न है।

यह है कि जालोर व बाडमेर में मानसून के अभाव में पेयजल व सिंचाई की गम्भीर समस्या है एवं किसानो की आर्थिक स्थिति दयनीय होने से राजस्थान किसान संघर्ष समिति ने इस मामले को लेकर माननीय उच्च न्यायालय में प्रासंगिक रिट 3637/2021 दर्ज करवाई। जिस पर केन्द्र सरकार व राज्य सरकार का जवाब तलब किया गया। केन्द्र सरकार ने अपना जवाब Assistant Solicitor General of India के माध्यम से प्रेषित किया। जिसके जवाब के पैरा संख्या 5 तथा 7 के तहत कोर्ट को बताया की इस हेतु अन्तर्राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 की धारा 3-ग के तहत हमारे समक्ष किसी भी सरकार द्वारा जल विवाद अधिकरण गठन करने हेतु आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होने पर उसकी विधिवत कार्यवाही की जाएगी। संलग्न जवाब की कॉपी। पृष्ठ सं. 27 से 3[illegible]

लिहाजा श्रीमान से निवेदन है कि गुजरात सरकार से कडाणा बाँध पर अपने हिस्से का पानी जालोर बाडमेर जहाँ मानसून के अभाव में कुओं का जल स्तर पाताल तक चला गया है। किसानों की स्थिति दयनीय है। पेयजल व सिंचाई की भयंकर समस्या है। कृपया केन्द्र सरकार को अन्तर्राज्यीय जल विवाद अधिनियम, 1956 की धारा 3-ग के तहत नदी जल विवाद अधिकरण गठन की कार्यवाही करावें। ताकि क्षेत्र में पेयजल व सिंचाई की सुविधा तो होगी ही साथ ही साथ पशुधन क्षेत्र में रिफायनरी, उद्योग-धन्धों एवं पर्यावरण के क्षेत्र में भी जल से लाभ मिलेगा।

दि० 10-7-23

भवदीय
प्रदेश उपाध्यक्ष, राजस्थान किसान संघर्ष समिति, जालोर-बाड़मेर
प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान किसान संघर्ष समिति, जालोर-बाड़मेर

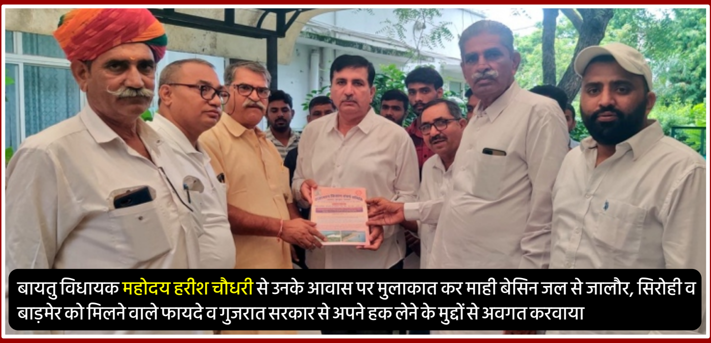

बायतु विधायक **महोदय हरीश चौधरी** से उनके आवास पर मुलाकात कर माही बेसिन जल से जालौर, सिरोही व बाड़मेर को मिलने वाले फायदे व गुजरात सरकार से अपने हक लेने के मुद्दों से अवगत करवाया

माही जल को लेकर प्रेस कांफ्रेस करते हुए

जिला कलेक्टर जालौर श्रीमान निशांत जैन से मिलकर राजस्थान किसान संघर्ष समिति के द्वारा माहि बेसिन जल की पुस्तिकाएं भेंट की

श्रीमान मुकेश मित्तल एस.ई.,राजस्थान रिवर बेसिन प्राधिकरण जयपुर से तकनिकी जानकारी बाबत चर्चा

श्रीमान सुबोध अग्रवाल ACS जल संसाधन विभाग जयपुर तथा श्रीमान भुवन भास्कर चीफ इंजीनियर जल संसाधन विभाग जयपुर एवं श्रीमान विनोद चौधरी चीफ इंजीनियर राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण जयपुर को मुख्यमंत्री बजट घोषणा की शीघ्र पालना हेतु ज्ञापन सौंपते हुए

धर्मगुरुओं का शुभकामना - संदेश

शुभकामना - संदेश

पश्चिमी राजस्थान के हमारे इस सूखे क्षेत्र में कृषि सिर्फ बारिश पर आधारित है और वो भी इन्द्रदेव के रुठ कर गुजरने के कारण किसानों को उनकी मेहनत के अनुसार पैदावार व आमदनी नहीं दे पाती। परिणाम यह है कि पानी की कमी के कारण किसान व आमजन की हालत दयनीय है।

मेरे ज्ञान में आया है कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति हमारे इसी जालोर - बाड़मेर-सिरोही क्षेत्र के लिये माही बेसिन का पानी पेय व सिंचाई हेतु लाने का प्रयास कर रही है। जिससे यह सूखा क्षेत्र हरा-भरा तो होगा ही साथ ही आमजन का वर्तमान व भविष्य समृद्ध व खुशहाल होगा। संघर्ष समिति का यह एक क्रांतिकारी व परोपकारी कदम है।

साथ ही मुख्यमंत्री बजट घोषणा में जालोर - बाड़मेर-सिरोही को पेयजल एवं सिंचाई हेतु माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने को लेकर आदेश जारी हुए हैं तथा सर्वे एवं डी. पी. आर. हेतु कार्यवाही जारी है जो इस कार्य की सिद्धि के लिए शुभ संकेत हैं।

मेरा आशीर्वाद व आमजन की सद्भावनाएं संघर्ष समिति के साथ हैं।

गंगानाथ (गंगानाथ महाराज)

श्री श्री 1008 पीर श्री गंगानाथजी महाराज सिरे मंदिर, जालोर

शुभकामना - संदेश

जालोर - बाड़मेर क्षेत्र में मानसून के दौरान औसत से भी कम वर्षा होती है जिस कारण सारी नदियाँ सूख गई हैं। भू-जल स्तर बहुत नीचे चला गया है।

माही नदी जल पर अपने हक को लेकर राजस्थान किसान संघर्ष समिति की टीम प्रामाणिक साक्ष्यों के आधार पर विधिवत लड़ाई लड़ रही है।

आशा है राजस्थान किसान संघर्ष समिति का सपना साकार होगा और अपने सूखे क्षेत्र में माही जल उपलब्ध होगा। मेरी शुभकामनाएँ उनके साथ हैं।

(तुलछाराम महाराज)

ब्रह्मर्षि ब्रह्माचार्य ब्रह्मा सावित्री सिद्ध पीठाधीश्वर
श्री श्री तुलछारामजी महाराज श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ, आसोतरा

शुभकामना - संदेश

जालोर व बाड़मेर सूखे क्षेत्र हैं। जालोर जिले की मुख्य नदी जवाई नदी है जो जवाई बांध के निर्माण के बाद अब धीरे-धीरे बिल्कुल सूख गई है। कुँओं का जल स्तर बहुत नीचे चला गया है

ऐसे समय में राजस्थान किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी विक्रमसिंह पुनासा, बद्रीदान नरपुरा, केशरसिंह सिवाणा, सुरेश व्यास, गिमरसिंह सूर्यवंशी एवं पूरी टीम माही नदी के ओवरफ्लो जल को जालोर - बाड़मेर में उपलब्ध करवाने हेतु लम्बे समय से प्रयासरत है एवं विधिवत कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। मुझे ज्ञात हुआ है कि किसानों की मांग पर मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023 में माही बेसिन जल को उपलब्ध करवाने को लेकर सर्वे एवं डी. पी. आर. के आदेश हुए है एवं कार्य प्रगति पर है। मैं पिपलेश्वर महादेव से प्रार्थना करता हूँ कि यह कार्य जल्द ही सफल हो।

मेरी शुभकामनाएँ राजस्थान किसान संघर्ष समिति के साथ हैं।

(रणछोड़ भारती महाराज)

श्री श्री 1008 महंत श्री रणछोड़भारतीजी महाराज
पिपलेश्वर मठ, जालोर

शुभकामना - संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा जालोर बाड़मेर-सिरोही में पेयजल एवं सिंचाई हेतु माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेत अथक प्रयास किए जा रहे हैं। इस पुनीत कार्य की सफलता पर आमजन, पशु पक्षी एवं पेड़ पौधे लाभान्वित होंगे।

मुझे ज्ञात हुआ है कि हाल ही में इस मुद्दे को मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023 में शामिल किया है जो हमारे क्षेत्र के लिए अच्छी बात है।

मुझे आशा है कि इस पुनीत कार्य में राजस्थान किसान संघर्ष समिति को सफलता मिलेगी तथा मेरी शुभकामनाएँ इनके साथ हैं।

शंकरस्वरूप (शंकरस्वरुप ब्रह्मचारी महाराज)

श्री श्री 1008 श्री शंकरस्वरुपजी ब्रह्मचारीजी महाराज
सारणेश्वर धाम, सरत

शुभकामना - संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा जालोर - बाड़मेर-सिरोही में पेयजल एवं सिंचाई हेतु माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेतु अथक प्रयास किए जा रहे है। जिसमें सफलता मिलने पर हमारे सूखे क्षेत्र में हरियाली होगी एवं आमजन लाभान्वित होगा।

मुझे यह भी ज्ञात हुआ है कि हाल ही में इस मुद्दे को मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023 में शामिल किया है यह हमारे क्षेत्र के सौभाग्य की बात है।

मुझे आशा है कि इस पुनीत कार्य में सफलता मिलेगी तथा मेरी शुभकामनाएँ समिति के साथ है।

श्री श्री 1008 महंत श्री देवगरजी महाराज, भालनी मठ

शुभकामना - संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि माही नदी जल को अपने सूखे क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई हेतु उपलब्ध करवाने को लेकर राजस्थान किसान संघर्ष समिति ने पुख्ता सबूतों का संग्रहण कर उन्हें एक पुस्तिका का रुप दिया है।

मेरे ध्यान में आया है कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023 में जालोर - बाड़मेर को पेयजल एवं सिंचाई हेतु माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने हेतु आदेश जारी हुए हैं साथ ही सर्वे- डी. पी. आर. हेतु कार्यवाही जारी है जो क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे संकेत है।

मेरा आशीर्वाद इनके साथ है।

आशाभारती (आशाभारती महाराज)

श्री श्री 1008 श्री आशाभारतीजी महाराज
गोल मठ, उम्मेदाबाद

शुभकामना - संदेश

मेरे दक्षिण प्रवास के दौरान मुझे यह ज्ञात हुआ कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी विक्रमसिंह पुनासा, बद्रीदान नरपुरा, शिवनाथसिंह राजपुरोहित बासड़ाधनजी एवं पूरी टीम हमारे जालोर बाड़मेर-सिरोही की सूखी धरती की प्यास बुझाने हेतु माही नदी के बेसिन जल को लाने हेतु लम्बे समय से संघर्षरत है।

मेरे ध्यान में लाया है कि हाल ही मुख्यमंत्री बजट घोषणा में भी माही बेसिन जल को हमारी धरा पर लाने हेतु सर्वे एवं डी. पी. आर. हेतु घोषणा की गई है तथा यह कार्य प्रगति पर है। कार्य की सफलता पर सूखी धरा तो तृप्त होगी ही इसके साथ-साथ जनजीवन पशुपक्षी, पेड़ पौधे, पर्यावरण सभी लाभान्वित होंगे। इस पवित्र कार्य हेतु मेरी शुभकामनाएं राजस्थान किसान संघर्ष समिति के साथ है।

ब्रह्मचारी भोमाराम महाराज (ब्रह्मचारी भोमाराम महाराज)

श्री श्री 1008 श्री ब्रह्मचारीजी भोमारामजी महाराज

शुभकामना - संदेश

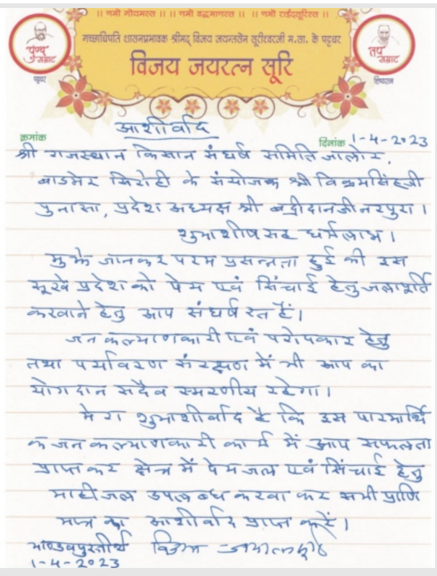

|| नमो [illegible] || || नमो [illegible] || || नमो [illegible] ||
गच्छाधिपति शासनप्रभावक श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म.सा. के पट्टधर
विजय जयरत्न सूरि

आशीर्वाद

क्रमांक
दिनांक 1-4-2023

श्री राजस्थान किसान संघर्ष समिति जालोर, बाड़मेर सिरोही के संयोजक श्री विक्रमसिंहजी पुनासा, प्रदेश अध्यक्ष श्री बद्रीदानजी नरपुरा।
शुभाशीष सह धर्मलाभ।
मुझे जानकर परम प्रसन्नता हुई की इस सूखे प्रदेश को पेय एवं सिंचाई हेतु जलापूर्ति करवाने हेतु आप संघर्षरत हैं।
जनकल्याणकारी एवं परोपकार हेतु तथा पर्यावरण संरक्षण में भी आप का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।
मेरा शुभाशीर्वाद है कि इस पारमार्थिक जनकल्याणकारी कार्य में आप सफलता प्राप्त कर क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई हेतु माहीजल उपलब्ध करवा कर सभी प्राणिमात्र का आशीर्वाद प्राप्त करें।
भाण्डवपुरतीर्थ
1-4-2023
विजय जयन्तसेन [illegible]

श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. भाण्डवपुर तीर्थ

शुभकामना - संदेश

आज के हालातों को देखते हुए पानी जालोर बाड़मेर-सिरोही क्षेत्र की मुख्य मांग व आवश्यकता है। । इस बात को लेकर राजस्थान किसान संघर्ष समिति बहुत लम्बे समय से संघर्षरत है एवं समिति ने अथक प्रयास कर ऐसे पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर इस पुस्तिका का संकलन किया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

इस पुस्तिका में माही जल पर अपना हक क्यों व कैसे है ? तथा माही नदी पर बने बांध कब-कब ओवरफ्लो हुए तथा कितना-कितना पानी व्यर्थ समुद्र में बह गया। उसके सारे साक्ष्य पुस्तिका में दर्ज है।

माही जल बँटवारा समझौता की पालना में राजस्थान सरकार ने अपने हक के पानी को लेकर गुजरात सरकार के साथ कब-कब पत्र-व्यवहार किये । इसका भी उल्लेख इस पुस्तिका में उपलब्ध हैं।

इसके साथ माही बेसिन जल को लेकर राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा हाईकोर्ट स्तर पर की गई कार्यवाही एवं उसमें जारी निर्देश तथा माही बेसिन जल जालोर बाड़मेर-सिरोही में उपलब्ध करवाने को लेकर हाल ही में मुख्यमंत्री बजट घोषणा में लेने एवं उस पर आज तक किस-किस स्तर पर क्या-क्या कार्यवाही हुई है। इससे संबंधित साक्ष्य भी इस पुस्तिका सम्मिलित हैं।

कुल मिलाकर यह साबित होता है कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा माही जल को जालोर - बाड़मेर- सिरोही में उपलब्ध करवाने को लेकर जो प्रयास किए जा रहे हैं वो काबिले तारीफ है।

मेरा मानना है कि यह पुस्तिका आम नागरिक, किसानों के हित तथा उनके हक के लिए पानी की जानकारी हेतु बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

राजस्थान किसान संघर्ष समिति अपने पवित्र लक्ष्य में सफल हो, मैं यह मंगल कामना करता हूँ।

मेरा आशीर्वाद इनके साथ हैं।

(सत्यानन्द ब्रह्मचारी)

श्री श्री 1008 महंत श्री सत्यानन्दजी ब्रह्मचारी
गादीपति श्री रविधाम

शुभकामना - संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति द्वारा जालोर - बाड़मेर-सिरोही में पेयजल एवं सिंचाई हेतु माही नदी से हमारे हक का पानी दिलवाने हेतु अथक प्रयास किए जा रहे है।

आमजन हितार्थ कलयुग में किया जाने वाला यह एक सतयुगी प्रयास है जिसकी सफलता न केवल सूखे क्षेत्र में हरियाली लायेगी बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक उत्थान की आधारशिला बनेगी। मेरा आशीर्वाद राजस्थान किसान संघर्ष समिति के सद्प्रयासों के साथ हैं।

(रामपुरी महाराज)

श्री श्री 1008 महंत रामपुरीजी महाराज रामदेवजी मठ, नून

शुभकामना - संदेश

मानसून के अभाव में जालोर - बाड़मेर- सिरोही की नदियाँ सूख गई है। बेरों का जलस्तर बहुत नीचे चला गया है। काश्तकार रोजगार हेतु पलायन करने को मजबूर हो रहे है। ऐसी विषम परिस्थितियों में राजस्थान किसान संघर्ष समितिमाही बेसिन जल को इन क्षेत्रों में उपलब्ध करवाने को लेकर लम्बे समय से प्रयासरत है।

किसानों एवं आमजन के लिए खुशी की बात है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि निकट भविष्य में शीघ्र ही माही बेसिन जल इस सूखी धरा पर उपलब्ध होगा तथा यह क्षेत्र गुजरात की तरह हरा भरा होकर आम किसान खुशहाल होगा।

मेरा आशीर्वाद राजस्थान किसान संघर्ष समिति की टीम के साथ हैं।

(पारसराम महाराज)

श्री श्री 1008 महंत श्री पारसरामजी महाराज, जेतेश्वर धाम, सिणधरी

शुभकामना - संदेश

पश्चिमी राजस्थान के जिलों जालोर बाड़मेर में बारिश औसत से भी कम होने के कारण भू-जल स्तर दिन-ब-दिन घट रहा है। इसमें कोई दोहराय नहीं कि अगर मशीनरी की सुविधा नहीं होती तो प्राचीन कालीन छप्पने के काल से भी बदतर हालात है। ऐसे सूखे व प्यासे हालातों में अगर माही नदी का हमारे हक का पानी या माही नदी का समुद्र में जाने वाला पानी जालोर - बाड़मेर को मिलता है तो वो सूखी पड़ी जमीन व पिछड़े किसानों व सभी नागरिकों के लिए संजीवनी बूटी का काम करेगा।

मेरे हृदय को यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि राजस्थान किसान संघर्ष समिति आमजन मानस की भावनाओं के अनुकूल माही नदी के बेसिन जल को सूखे होंठों व तपती धरती तक लाने का प्रयास कर रही है।

मेरा आशीर्वाद हरक्षण राजस्थान किसान संघर्ष समिति के साथ है।

नरसींगदास (नरसींगदास महाराज)

श्री श्री 1008 श्री नरसींगदासजी महाराज गोविन्दरामजी की बगेची, समदड़ी

प्रशासनिक सुधार (अनुभाग- 3) विभाग जयपुर के आदेश दिनांक 12/07/2023 के तहत मुख्यमंत्री बजट घोषणा की पालना में पश्चिमी राजस्थान केनाल परियोजना हेतु DPR की मॉनिटरिंग को लेकर गठित सयुक्त कमिटी में श्री विक्रम सिंह पुनासा एवम श्री केशर सिंह राठौड़ को सदस्य नियुक्त किया गया।

मुख्य अभियंता RRB&PA जयपुर के आदेश दिनांक 21/07/23 के तहत WRCP की फिजिबिलिटी रिपोर्ट हेतु 26 लाख 42 हजार 750 रुपये की AS&TS हेतु मुख्य अभियंता WRD जयपुर को लिखा पत्र

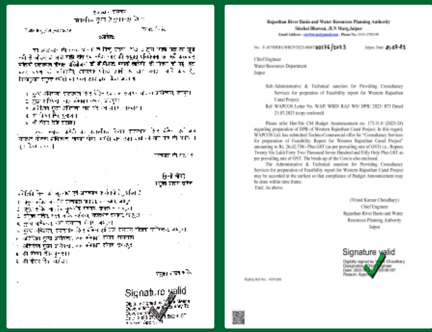

जालौर जिला प्रमुख श्रीमान राजेश राणा से मिलकर माही बेसिन जल की पुस्तिकाएं भेंट की। राजस्थान किसान संघर्ष समिति के अभियान में समर्थन मांगा।

नरपुरा किसान समेलन

सुराज संकल्प यात्रा 2013 के दौरान **पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे** जब जालोर दौरे पर थी तब माही बेसिन जल उपलब्ध कराने को लेकर आयोजित **विशाल किसान सभा (भीनमाल)** में उपस्थित 20 हजार से अधिक जनता के बीच वसुंधरा राजे को मंच पर बुलाकर **संयोजक विक्रम सिंह पुनासा** के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया था जिस पर उन्होंने इस मुद्दे को अपने **चुनावी घोषणा पत्र** में शामिल किया था व सरकार आने के बाद **मंत्री डॉ.रामप्रताप** के नेतृत्व में एक कमेठी का गठन भी किया था। उसके बाद कार्यवाही ठंडे बस्ते में डाल दी गयी।

पानी होने के बावजूद प्यासी धरती

17 जवाई बांध जितना पानी जा रहा है समुन्द्र में,सही योजना की जरुरत!

माही बांध के आगे बेणेश्वर धाम के पास माही नदी में सोम व जाखम नदियाँ भी उसके साथ में आकर मिलती हैं और मानसून में माही बेसिन का अथाह पानी (तीनों बांधों के ऑवरफ्लो के कारण) कडाणा बांध के भराव के बाद ऑवरफ्लो होकर 1984 से 2022 तक औसतन प्रतिवर्ष 125 T.M.C. (एक वर्ष में 17 बार जवाई बांध भर जाये) पानी व्यर्थ बहकर समुद्र में चला जाता है ।

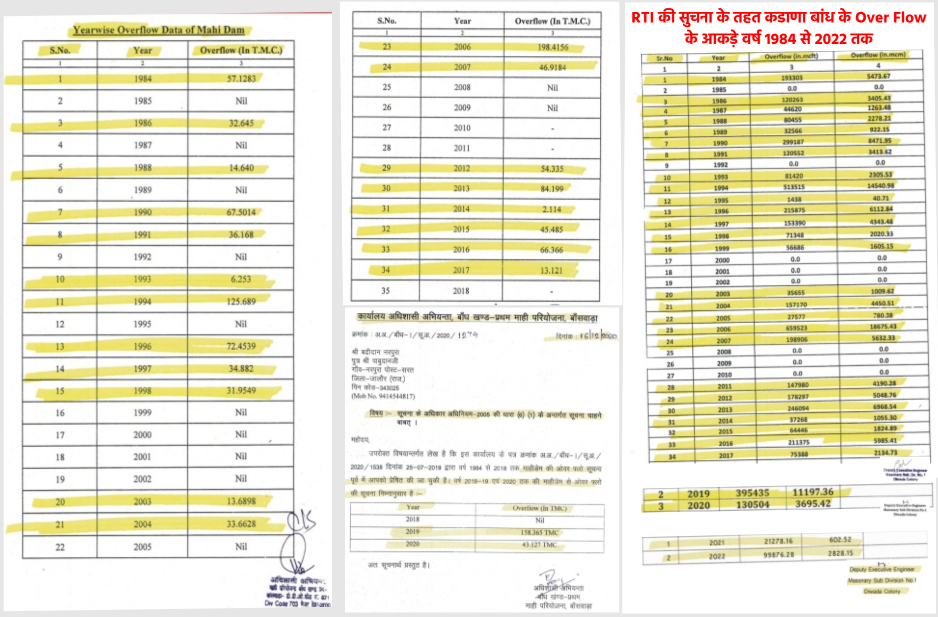

Yearwise Overflow Data of Mahi Dam

S.No.	Year	Overflow (In T.M.C.)
1	2	3
1	1984	57.1283
2	1985	Nil
3	1986	32.645
4	1987	Nil
5	1988	14.640
6	1989	Nil
7	1990	67.5014
8	1991	36.168
9	1992	Nil
10	1993	6.253
11	1994	125.689
12	1995	Nil
13	1996	72.4539
14	1997	34.882
15	1998	31.9549
16	1999	Nil
17	2000	Nil
18	2001	Nil
19	2002	Nil
20	2003	13.6898
21	2004	33.6628
22	2005	Nil

S.No.	Year	Overflow (In T.M.C.)
1	2	3
23	2006	198.4156
24	2007	46.9184
25	2008	Nil
26	2009	Nil
27	2010	-
28	2011	-
29	2012	54.335
30	2013	84.199
31	2014	2.114
32	2015	45.485
33	2016	66.366
34	2017	13.121
35	2018	-

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, बाँध खण्ड–प्रथम माही परियोजना, बाँसवाड़ा

क्रमांक : अ.अ./बाँध–1/सू.अ./2020/1274 दिनांक : 16/10/2020

श्री बद्रीदान नरपुरा
पुत्र श्री पाबुदानजी
गाँव–नरपुरा पोस्ट–सरत
जिला–जालोर (राज.)
पिन कोड–343025
(Mob No. 9414544817)

विषय :– सूचना के अधिकार अधिनियम–2005 की धारा (6) (1) के अन्तर्गत सूचना चाहने बाबत् ।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक अ.अ./बाँध–1/सू.अ./2020/1538 दिनांक 25–07–2019 द्वारा वर्ष 1984 से 2018 तक माहीडेम की ओवर फ्लो सूचना पूर्व में आपको प्रेषित की जा चुकी है। वर्ष 2018–19 एवं 2020 तक की माहीडेम से ओवर फ्लो की सूचना निम्नानुसार है :–

Year	Overflow (in TMC)
2018	Nil
2019	158.365 TMC
2020	43.127 TMC

अतः सूचनार्थ प्रस्तुत है।

अधिशाषी अभियन्ता
बाँध खण्ड–प्रथम
माही परियोजना, बाँसवाड़ा

RTI की सुचना के तहत कडाणा बांध के Over Flow के आकड़े वर्ष 1984 से 2022 तक

Sr.No	Year	Overflow (in mcft)	Overflow (in mcm)
1	2	3	4
1	1984	193303	5473.67
2	1985	0.0	0.0
3	1986	120263	3405.43
4	1987	44620	1263.48
5	1988	80455	2278.21
6	1989	32566	922.15
7	1990	299187	8471.95
8	1991	120552	3413.62
9	1992	0.0	0.0
10	1993	81420	2305.53
11	1994	513515	14540.98
12	1995	1438	40.71
13	1996	215875	6112.84
14	1997	153390	4343.48
15	1998	71348	2020.33
16	1999	56686	1605.15
17	2000	0.0	0.0
18	2001	0.0	0.0
19	2002	0.0	0.0
20	2003	35655	1009.62
21	2004	157170	4450.51
22	2005	27577	780.38
23	2006	659523	18675.43
24	2007	198906	5632.33
25	2008	0.0	0.0
26	2009	0.0	0.0
27	2010	0.0	0.0
28	2011	147980	4190.28
29	2012	178297	5048.76
30	2013	246094	6968.54
31	2014	37268	1055.30
32	2015	64446	1824.89
33	2016	211375	5985.41
34	2017	75388	2134.73

2	2019	395435	11197.36
3	2020	130504	3695.42

1	2021	21278.16	602.52
2	2022	99876.28	2828.15

Deputy Executive Engineer
Masonary Sub Division No.1
Diwada Colony

माही जल बँटवारा समझौता 10.01.1966 के पैरा संख्या-1 व 5 की पालना हेतु राजस्थान सरकार ने गुजरात सरकार को कई बार बैठक आयोजित करने हेतु पत्र व्यवहार किये मगर गुजरात सरकार ने आज दिन तक ना तो बैठक हेतु तारीख तय की और ना ही पत्रों का जबाव दिया। हाल ही में मुख्यमंत्री बजट घोषणा बिंदु संख्या 173(X) के तहत पच्छिमी राजस्थान (जालोर, बाड़मेर, सिरोही)क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई हेतु उक्त माही बेसिन जल उपलब्ध करवाने को लेकर राजस्थान सरकार द्वारा सर्वे एवं डीपीआर की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है जो हमारे क्षेत्र के लिए शुभ संकेत है

कलम से
बद्री दान नरपुरा प्रदेशाध्यक्ष

अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, जल संसाधन विभाग,सचिवालय जयपुर को मुख्यमंत्री बजट घोषणा की पालना में शीघ्र सर्वे व डीपीआर तैयार करवाने हेतु ज्ञापन

माही बांध के जल संसाधन अधिकारियों के संग निरीक्षण

चीफ इंजीनियर विनोद चौधरी राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण जयपुर ऑफिस में किसान समिति के पदाधिकारी मुद्दे से अवगत करवाते हुए

माही बांध का निरीक्षण करते हुए समिति के पदाधिकारी

बेणेश्वर धाम (माही जाखम-सोम नदी) त्रिवेणी का निरीक्षण करते हुए समिति के पदाधिकारी

मुख्य सचिव निरंजन आर्य,राजस्थान सरकार को ज्ञापन

पूर्व राज्यसभा **सांसद ओम माथुर** एवं पूर्व केंद्रीय जल संसाधन **मंत्री उमा भारती** को ज्ञापन

जालोर-सिरोही **माननीय सांसद देवजी भाई पटेल** के नेतृत्व में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री **सांवरमल जाट** को ज्ञापन

वाडाभाडवी गांव के दूदेश्वर महादेव मंदिर में जनता का समर्थन

सिवाना विधानसभा क्षेत्र में जन सभाएं व समर्थन

राजस्थान किसान संघर्ष समिति (रजि.)
जय जवान जय किसान

महान गांधीवादी नेता,भारत रत्न एवं स्वतंत्रता सेनानी आचार्य विनोबा भावे जी की जयंती से..

माही जलक्रांति यात्रा

11 सितंबर 2023 से 29 सितम्बर 2023 तक

1100+ किलोमीटर
400+ गांव
300+ जनसभाएं
20+ दिन

विक्रम सिंह पुनासा संयोजक राजस्थान किसान संघर्ष समिति
बद्रीदान नरपुरा अध्यक्ष राजस्थान किसान संघर्ष समिति
केशर सिंह राठौड़ सहसंयोजक राजस्थान किसान संघर्ष समिति
सुरेश व्यास कोषाध्यक्ष
गिमर सिंह सचिव
शिवनाथ सिंह राजपुरोहित उपाध्यक्ष
हुकुम सिंह राठौड़ उपाध्यक्ष
मोडाराम देवासी तहसील अध्यक्ष,बागोड़ा

बलवंत सिंह दहिया तहसील अध्यक्ष सायला
महेन्द्र पाल सिंह देवल तहसील अध्यक्ष जसवंतपुरा
भैरुपाल सिंह दासपा जिला यात्रा प्रभारी,जालोर
बाबूलाल परिहार जिला यात्रा प्रभारी,बाड़मेर
गुमान सिंह सिसोदिया प्रवासी मीडिया प्रभारी
शांति स्वरुप मीडिया प्रभारी
पांचाराम चौधरी सहसचिव
एडवोकेट शंभूदान आशिया प्रवक्ता,विधि सलाहकार
एडवोकेट जयन्त मूंड प्रदेशाध्यक्ष,युवा मोर्चा

तहसील यात्रा प्रभारी

छैलसिंह राजपुरोहित तहसील सायला
आवड़दान आलासन तहसील जालोर
करण सिंह थांवला तहसील आहोर
मानाराम राजपुरोहित तहसील बागोड़ा
सबलाराम चौधरी तहसील जसवंतपुरा
हरदान सिंह तहसील भीनमाल
मांगीलाल विश्नोई तहसील रानीवाड़ा
तगाराम सैन तहसील समदड़ी
चतर सिंह देवंदी तहसील सिवाना
बालाराम चौधरी तहसील सिणधरी

टीम के सक्रिय सदस्य

दलपत सिंह भाटी, बाबू सिंह धवेचा, भागसिंह भाडवी, एडवोकेट रणछोड़ा राम, धूप सिंह अरणु, रामसिंह मजल, ठाकराराम विश्नोई, अमराराम देवासी, उम्मेद सिंह सरपंच,मङगांव, कर्ताराम चौधरी, अर्जुन सिंह सुराणा, रुपसिंह विशाला, अर्जुन पुरोहित घासेड़ी, करनाराम पंवार, पारसमल मेघवाल, मीठालाल राणा, चक्रवर्ती सिंह लाखणी

इस अभियान से जुड़ने एवं यात्रा की जानकारी के लिए 98872-08801 www.mahaijalkranti.com /mahijalkranti